ADDITIONAL™ PRACTICE

हिंदी 4

Harbour Press®
INTERNATIONAL

विषय-सूची

1. मन के भोले-भोले बादल 3
2. जैसा सवाल वैसा जवाब 3
3. किरमिच की गेंद 4
4. पापा जब बच्चे थे 5
5. दोस्त की पोशाक 5
6. नाव बनाओ नाव बनाओ 6
7. दान का हिसाब 7
8. कौन 7
9. स्वतंत्रता की ओर 8
10. थप्प रोटी थप्प दाल 9
11. पढ़क्कू की सूझ 10
12. सुनीता की पहिया कुर्सी 10
13. हुदहुद 11
14. मुफ़्त ही मुफ़्त 12

1 मन के भोले-भाले बादल

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)
3. (क) (i) पानी (ख) (i) कूबड़ (ग) (ii) ढोलक (घ) (i) बाढ़ (ङ) (ii) छत पर
4. (क) आसमान (ख) बादल (ग) शैतान (घ) झर-झर (ङ) वर्षा
5. (क) गुब्बारे जैसे (ख) जोकर से (ग) परियों की (घ) तूफ़ानी (ङ) कल्पनाथ सिंह
6. (क) झब्बर-झब्बर बालों वाले तथा गुब्बारे से गालों वाले बादल आसमान में दौड़ रहे हैं।
   (ख) आपस में टकराने पर ये बादल शेरों से मतवाले दिखाई पड़ते हैं।
   (ग) बादल तूफ़ानी और शैतानी हरकतें करते हैं।
   (घ) जोकर से तोंद फुलाए, हाथी से सूँड उठाए, उँटों से कूबड़ वाले और परियों से पंख लगाए, बादलों का रूप है।
   (ङ) मन के भोले-भाले
7. (क) कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
   कुछ रह-रह करते शैतानी
   कुछ अपने थैलों से चुपके
   झर-झर-झर बरसाते पानी

   (ख) रह-रहकर छत पर आ जाते
   फिर चुपके ऊपर उड़ जाते
   कभी-कभी ज़िद्दी बन करके
   बाढ़ नदी-नालों में लाते
8. बादल - मेघ पंख - पर सागर - समुद्र आसमान - गगन पानी - नीर नदी - सरिता
9. बालों - गालों बरसाते - टकराते शैतानी - तूफ़ानी काले - मतवाले जाते - लाते उठाए - फुलाए
   सूँड़ - ऊँट भोले - भाले
10. बारिश गिरना बंद होगा।
11. (क) सरदी (ख) गरमी (ग) बारिश
    विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें।

2 जैसा सवाल वैसा जवाब

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
2. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (ii) (ङ) (i)
3. (क) (ii) बीरबल (ख) (iii) बीरबल (ग) (i) हिंदुस्तान (घ) (ii) तीन (ङ) (iii) गोलमोल
4. (क) बीरबल (ख) ख्वाजा साहब (ग) गहराई (घ) बादशाह (ङ) सवालों, जवाब
5. (क) ख्वाजा साहब को (ख) ख्वाजा सरा (ग) बीरबल को (घ) अचकन-पगड़ी
   (ङ) सारी दुनिया
6. (क) बीरबल की बुद्धि के आगे बड़े-बड़ों की भी कुछ नहीं चल पाती थी। इसी कारण बीरबल से दरबारी जलते थे।
   (ख) ख्वाजा सरा को विश्वास था कि इन प्रश्नों को सुनकर बीरबल के छक्के छूट जाएँगे और वह लाख कोशिश करके भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाएगा।
   (ग) ख्वाजा सरा के पहले प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, 'यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचों-बीच पड़ता है।'

(घ) भेड़ के शरीर में जितने बाल है, उतने ही तारे आसमान में है।

(ङ) संसार की आबादी कितनी है?

7. (क) ख्वाजा साहब ने बीरबल से कहा। (ख) ख्वाजा साहब ने अकबर से कहा।

(ग) अकबर ने बीरबल से कहा (घ) बीरबल ने ख्वाजा साहब से कहा।

8. शांति - अशांति विश्वास - अविश्वास सत्य - असत्य संतोष - असंतोष

संभव - असंभव शिक्षित - अशिक्षित ज्ञानी - अज्ञानी संतुष्ट - असंतुष्ट

9. **नाम वाले शब्द - मंत्री नमक आकाश अकबर जमीन हिंदुस्तान**

काम वाले शब्द - पकाना गिनना गाड़ना नापना बोलना चलना

10. अनगिनत

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

3 किरमिच की गेंद

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) 4 (ख) 3 (ग) 2 (घ) 5 (ङ) I (च) 6

3. (क) (iii) कहानी (ख) (i) जून (ग) (iii) केले के (घ) (ii) गेंद (ङ) (ii) सुस्ता रही थी।

4. (क) मुँडेर, धूप (ख) ट्रक (ग) बच्चे (घ) सबूत (ङ) निशान

5. (क) गड्ढे के ऊपर (ख) तवे की (ग) घूँस ने (घ) चार महीने पहले
(ङ) दो-चार

6. (क) दिनेश की माँ मशीन चला रही थी।

(ख) गेंद को देखकर दिनेश को लगा की उसे आज ही बाज़ार से खरीदा है। उसने उसे उलट-पलटकर देखा परंतु कुछ भी समझ में नहीं आया। नज़र उठाकर उसने पास की तिमंज़िली इमारत की ओर देखा कि हो सकता है किसी बच्चे ने इसे ऊपर से फेंका हो परंतु उस इमारत के इस ओर खुलने वाले सभी दरवाज़े और खिड़कियाँ बंद थे। छत की मुँडेर से लेकर नीचे तक तेज़ धूप चिलचिला रही थी।

(ग) दिनेश ने गेंद हाथ में लेकर लेटे-लेटे सोचने लगा की भले ही यह गेंद मोहल्ले में से किसी की न हो, परंतु ईमानदारी इसी में है कि एक बार सबसे पूछ लिया जाए।

(घ) दीपक अपना मतलब सिद्ध करने तथा अवसर पड़ने पर सभी को मित्र बना लेने में चतुर था।

(ङ) अंत में गेंद स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी और स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई।

7. माँ - बाप भाई - बहन बेटा - बिटिया चिड़ा - चिड़ियाँ गाय - बैल शिष्य - शिष्या

रानी - राजा मोर - मोरनी

8. (क) नीचे (ख) तेज़ (ग) अंदर (घ) सच

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. वॉलीबॉल क्रिकेट बॉल फुटबॉल गोल्फ बॉल टेनिस बॉल बास्केट बॉल

11. **बेल** - लौकी कद्दू करेला तरबूज
पौधा - तुलसी मेहंदी ब्राम्ही हल्दी

4 पापा जब बच्चे थे

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (v) (घ) (ii) (ङ) (i)
3. (क) (ii) चौकीदार (ख) (i) चटकदार हरा (ग) (ii) असली (घ) (iii) वायुयान (ङ) (ii) अफ़सर
4. (क) जवाब (ख) प्लेटफ़ार्म (ग) भौंकना (घ) जहाज़ी (ङ) इनसान
5. (क) चौकीदार (ख) आइसक्रीम वाला (ग) बूढ़ी महिला (घ) चरवाह (ङ) कुत्ते के
   (च) इनसान
6. (क) पापा से अक्सर पूछा जाता था, "बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो?"
   (ख) पापा ने आइसक्रीम वाला बनने के बारे में सोचा कि पहले आइसक्रीम बेचूँगा, तो एक खुद खाऊँगा। छोटे बच्चों को तो मैं मुफ़्त में आइसक्रीम दिया करूँगा।"
   (ग) "जब रेलगाड़ी अपनी यात्रा पूरी कर लेती है तो उसे अगली यात्रा के लिए तैयार करना होता है। रेलगाड़ी की साफ़-सफ़ाई की जाती है। इंजन को घुमाकर ईंधन-पानी भरा जाता है। इसे शंटिंग कहते हैं।"
   (घ) बूढ़ी महिला ने उनके सिर को सहलाना चाहा तो पापा ने उनको काटा।
7. (क) मछुआरा (ख) अभिनेता (ग) दर्जी (घ) चौकीदार (ङ) वायुयान चालक
8. रेलगाड़ी - रेलगाड़ियाँ महिला - महिलाएँ कहानी - कहानियाँ डिब्बा - डिब्बे लाठी - लाठियाँ
   बच्चा - बच्चे ठेला - ठेले कुत्ता - कुत्ते
9. अगर हम पापा की जगह होते तो आइसक्रीम बेचने के लिए अपना ठेला रेलवे स्टेशन के बाहर लगाते।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें।

5 दोस्त की पोशाक

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) नसीरूद्दीन ने जमाल साहब से (ख) नसरूद्दीन ने पड़ोसी से (ग) जमाल साहब ने नसीरूद्दीन से
3. (क) (i) दोस्त (ख) (iii) मोहल्ले में (ग) (i) पड़ोसी के घर
   (घ) (ii) नसीरूद्दीन की (ङ) (i) नसीरूद्दीन ने
4. (क) जमाल साहब (ख) घूमने (ग) मुलाकात (घ) नाराज़ (ङ) पड़ोसी
5. (क) जमाल साहब (ख) भड़कीली (ग) हुसैन साहब से (घ) नसरूद्दीन से (ङ) नसीरूद्दीन
6. (क) क्योंकि वे इस मामूली सी पोशाक में लोगों से नहीं मिलना चाहते थे।
   (ख) जमाल साहब को लेकर नसीरूद्दीन पड़ोसी के घर गए। नसीरूद्दीन ने पड़ोसी से कहा, "ये हैं मेरे खास दोस्त, जमाल साहब। आज कई सालों बाद इनसे मुलाकात हुई है। वैसे जो अचकन इन्होंने पहन रखी है, वह मेरी है।" यह सुनकर जमाल साहब पर तो घड़ों पानी पड़ गया।
   (ग) जमाल साहब उनके पुराने दोस्त है और उन्होंने जो अचकन पहनी है वह उनकी ही है।
   (घ) जमाल ने नसीरूद्दीन को समझाया पोशाक के बारे में बात न करें। पोशाक का ज़िक्र किए बिना भी बात की जा सकती है।
7. (क) बड़े भाई के रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने से परिवार वालों पर घड़ो पानी पड़ गया।
   (ख) उसकी तो आदत है मुँह बनाने की।

(ग) आधुनिक महिलाओं को ताना नहीं कसना चाहिए।

(घ) तुम्हें देखने को तरस गए मित्र, तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।

8. (क) दोस्त अस्त (ख) स्वर स्वर्ग (ग) पत्ता कुत्ता (घ) पल्लवी गुल्लक (ङ) मक्खन मधुमक्खी

(च) वाक्य क्योंकि

9. **स्त्री की पोशाख** - साड़ी घाघरा दुपट्टा कुरता

पुरुष की पोशाख - धोती अचकन कोट कमीज़ पैंट

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

6 नाव बनाओ नाव बनाओ

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

3. (क) (iii) भैया (ख) (i) नाव (ग) (iii) बादल (घ) (ii) कागज़

4. छप-छप कर कूड़े से अड़ती,
बूँदों-लहरों लड़ती-बढ़ती,
सब की आँखों चढ़ती-गढ़ती
नाव तैरा मुझको हर्षाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

5. (क) सात समुद्र (ख) नदी (ग) गुल्लक (घ) हरिकृष्णदास गुप्त

6. (क) बहन भैया से नाव बनाने को कह रही है।

(ख) मेरे क्या बस का? तब फिर यह किसके बस का? खोट सभी है बस आलस का – के माध्यम से भैया बहाना बना रहा है।

(ग) नाव तैरा मुझको हर्षाओ। अर्थात वे खुशी महसूस करते हैं।

(घ) नाव बूँदों-लहरों लड़ती-बढ़ती, सब की आँखों चढ़ती-गढ़ती आगे बढ़ती है।

7. इन पंक्तियों का भाव है कि वर्षा अधिक होने से पानी लंबी-चौड़ी गली में भर जाएगा। चारों ओर पानी ही पानी होगा जो नदी का रूप धारण करके घरों में घुस जाएगा यानी कि बाढ़ आ आएगी।

(क) सात (ख) नदी (ग) गुल्लक (घ) हरिकृष्णदास गुप्त

8. (क) चटकीला चमकीला बर्फ़ीला खर्चीला नशीला रंगीला भड़कीला जहरीला

(ख) चिकनाई सच्चाई गहराई बुराई भलाई चौड़ाई

9. (क) बादल (ख) समुद्र (ग) चमकीला (घ) सचमुच

(ङ) रंगीला (च) लहराओ

10. 1. प्रशांत महासागर 2. हिंद महासागर 3. अटलांटिक महासागर 4. उत्तरध्रुवीय महासागर
5. अन्ध महासागर 6. दक्षिणी महासागर 7. लाल सागर

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

7 दान का हिसाब

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (v)
3. (क) (i) पूर्वी सीमा (ख) (iii) 10 हज़ार (ग) (ii) संन्यासी (घ) (i) लाखों (ङ) (ii) बर्फ़ की पट्टी
4. (क) 4 (ख) 5 (ग) 4 (घ) 1 (ङ) 6 (च) 3
5. (क) अकाल पड़ गया था। (ख) बूढ़ा सन्यासी आया। (ग) बीस दिन तक
   (घ) राजा (ङ) पचास हज़ार रूपए
6. (क) राजा के दरबार में सज्जन नहीं आते थे क्योंकि वहाँ पर इनका बिल्कुल सत्कार नहीं होता था।
   (ख) लोगों ने राजा से सहायता माँगते हुए कहा, "महाराज, राजभंडार से हमारी सहायता करने की कृपा करें, जिससे हम लोग दूसरे देशों से अनाज खरीदकर अपनी जान बचा सकें।"
   (ग) राजा ने कहा, "आज तुम लोग अकाल से पीड़ित हो, कल पता चलेगा, कहीं भूकंप आया है। परसों सुनूँगा, कहीं के लोग बड़े गरीब हैं, दो वक्त की रोटी नहीं जुटती। इस तरह सभी की सहायता करते-करते जब राजभंडार खत्म हो जाएगा तब खुद मैं ही दिवालिया हो जाऊँगा।" यह सुनकर सभी निराश होकर लौट गए।
   (घ) एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "महल में प्रतिदिन हज़ारों रुपए इन सुगंधित वस्त्रों, मनोरंजन और महल की सजावट में खर्च होते हैं। यदि इन रुपयों में से ही थाड़ा-सा धन ज़रूरतमंदों को मिल जाए तो उन दुखियों की जान बच जाएगी।" यह सुनकर राजा को क्रोध आ गया।
   (ङ) अंत में संन्यासी ने पचास हज़ार रूपए तय किया।
7. राजा - रानी विद्वान - विदुषी बूढ़ा - बूढ़ी पंडित - पंडिताइन गधा - गधी मोर - मोरनी
   हाथी - हथनी नाना - नानी बाघ - बाघिनी देव - देवी
8. 10 - दस 84 - चौरासी 50 - पचास 89 - नवासी 64 - चौंसठ 95 - पचानवे
   78 - अठहत्तर 99 - निन्यानवे
9. विद्यार्थी स्वयं करें।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।

8 कौन?

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗
2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)
3. (क) (i) किताब (ख) (iii) दो (ग) (ii) अनाज (घ) (ii) कबाड़ी
4. (क) छन्ना (ख) जूते-चप्पल (ग) घर (घ) कोना
5. (क) चूहे की (ख) दोना (ग) मिठाई (घ) पैसा गिर जाता है।
6. (क) पोथी के पन्ने जिल्द काटने पर बिखर गए।
   (ख) शरारती जीवों ने बटन, अनाज, मिठाई, रस्सी, चप्पल-जूते, किताबों की जिल्द, कागज़ के टुकड़े-टुकड़े करके नुकसान किया है।
   (ग) शरारती जीव रात भर गड़बड़ करता है, किसी को सोने नहीं देता तथा स्वयं खुर-खुर करता हुआ इधर-उधर दौड़ता रहता है। वह घर को कागज़ों से भर देता है।

7. (क) कुतर-कुतर कर कागज़ सारे रद्दी से घर को भर जाता।
कौन कबाड़ी है जो कूड़ा दुनिया भर का घर भर जाता?

(ख) कौन रात भर गड़बड़ करता? हमें नहीं देता है सोने,
खुर-खुर करता इधर-उधर है ढूँढ़ा करता छिप-छिप कोने?

(ग) कभी कुतर जाता है चप्पल कभी कुतर जूता है जाता,
कभी खलीता पर बन आती अनजाने पैसा गिर जाता।

8. किताब – किताबे | मिठाई – मिठाइयाँ | चप्पल – चप्पलें | जूता – जूते | तसवीर – तसवीरें
रात – राते | कलम – कलमें | चूहा – चूहे

9. खाली – भरा | बच्चा – बड़ा/बुढ़ा | रात – दिन | आना – जाना | सोना – जागना
लाभ – हानि | अंधकार – प्रकाश | शिष्ट – अशिष्ट

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

9 स्वतंत्रता की ओर

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) 2 (ख) 1 (ग) 6 (घ) 5 (ङ) 3 (च) 4
3. (क) (i) आश्रम में (ख) (iii) नौ (ग) (i) भारत की (घ) (ii) रसोईघर में (ङ) (iii) आलू खोद रहा था।
4. (क) बिन्नी (ख) चूल्हा (ग) विरोध (घ) अन्याय (ङ) रेडियो
5. (क) बिन्नी से (ख) यात्रा पर (ग) नींबू के पेड़ से (घ) दांडी नाम की जगह पर समुद्र के पास
(ङ) भारतीय लोगों को
6. (क) धनी और उसके माता-पिता बड़ी खास जगह में रहते थे— अहमदाबाद के पास, महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम में।
(ख) साबरमती के आश्रम में सब खाना पकाना, बर्तन धोना, कपड़े धोना, कुएँ से पानी लाना, गाय और बकरियों का दूध दुहना और सब्ज़ी उगाना आदि कार्य करते थे।
(ग) बिंदा चाचा ने धनी से कहा कि गांधी जी और उनके कुछ साथी गुजरात में पैदल चलते हुए, दांडी नाम की जगह पर समुद्र के पास पहुँचेगे। गाँवों और शहरों से होते हुए पूरा महीना चलेंगे। दांडी पहुँचकर वे नमक बनाएँगे।
(घ) तुम इतना लंबा नहीं चल पाओगे। आश्रम के नौजवान ही जा रहे है।
(ङ) महात्मा गांधी गौशाला में गाय को देख रहे थे। फिर वह सब्ज़ी के बगीचे में मटर और बंदगोबी देखते हुए बिंदा से बात कर रहे थे।
7. (क) धनी ने बिंदा चाचा से।
(ख) गांधी जी ने धनी से।
(ग) धनी ने बिंदा चाचा से।
(घ) माँ ने धनी से।
8. माँ – जननी | पानी – जल | दोस्त – मित्र | रात – रात्रि | आँख – नयन | पिता – जनक
9. **संज्ञा** :- दांडी धनी बिंदा गांधी बिन्नी
सर्वनाम :- उसका उसके उनके वे तुम
10. 1. महात्मा गांधी-राजघाट 2. लालबहादुर शास्त्री-विजयघाट 3. इंदिरा गांधी-शक्ति स्थल
4. पंडित जवाहरलाल नेहरू-शांतिवन 5. राजीव गांधी-वीरभूमि
11. (क) विद्यार्थी स्वयं करें। (ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

10 थप्प रोटी थप्प दाल

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv)
3. (क) (ii) खेल रहे थे (ख) (i) मुन्नी (ग) (iii) साग-सब्ज़ी (घ) (i) रुई (ङ) (ii) रोटी
4. (क) रोटी (ख) मक्खन (ग) कंधे (घ) उँगली (ङ) बिल्ली
5. (क) नीना को (ख) खट्टा-मीठा था। (ग) हांडी में (घ) रोटी और मट्ठा बनाया गया।
   (ङ) कलछी से
6. (क) मुन्नी ने अपनी अम्मा से आटा, घी, दाल, दही, साग, चीनी और मखखन आदि सभी चीज़ें लीं।
   (ख) सरला दही का मट्ठा चलाना चाहती है।
   (ग) बच्चे आग जलाने, फूँक मारने और धुएँ की बजह से आँसू पोंछने का अभिनय करते हैं।
   (घ) रोटियाँ घी से चुपड़ी होने के कारण नरम-नरम हैं।
   (ङ) सारे बच्चे खर्राटे भर रहे थे।
7.

पात्र का नाम	**जो काम किया**
टिंकू	बड़िया पकाई
चुन्नू	दाल बनाई
सरला	दही का मट्ठा
मुन्नी	दही का मठ्ठा
नीना	रोटी बनाई
तरला	रोटी बनाई
बिल्ली ने	छींके से सब चीज़ें खाईं।

8. (क) मैं (ख) मैंने (ग) अपना (घ) वह
   (ङ) मुझे (च) मैं
9. (क) पाठ + शाला (ख) राज + कोष (ग) वायु + यान (घ) चुप + चाप
   (ङ) चौकी + दार (च) मधु + मक्खी (छ) आत्म + निर्भर (ज) रेल + गाड़ी
   (झ) सर + पट
10. साँप-सीडी फुटबॉल गोला फेंक लट्टू क्रिकेट पतंग उडाना खो-खो
11. बेलन, चौका, तवा, घी, पानी, आटा
12.

थाली	कटोरी	तवा
गैस	कुकर	बेलन चौका
स्टील का डिब्बा	चाय बनाने का बर्तन	रोटी रखने का डिब्बा

11 पढ़क्कू की सूझ

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

2. (क) एक रोज़ **वे पड़े फ़िक्र में समझ नहीं कुछ पाए,**
"बैल घूमता है कोल्हू में कैसे बिना चलाए?"

(ख) **अगर किसी दिन बैल तुम्हारा सोच-समझ** अड़ जाए,
चले नहीं, **बस, खड़ा-खड़ा गर्दन को** खूब हिलाए।

3. (क) (ii) तेज़ (ख) (i) खेतों में (ग) (iii) पढ़क्कू (घ) (i) मालिक का

4. (क) ढब (ख) भेद (ग) जुगाली (घ) मंतिख

5. (क) तर्कशास्त्र पढ़ते थे (ख) कोल्हू में (ग) घंटी है। (घ) टुन-टुन आवाज़ करती है।

6. (क) पढ़क्कू में खास बात यह थी कि वे तर्कशास्त्र पढ़ते थे तथा नई बात गढ़ते थे।

(ख) पढ़क्कू इस सोच में पड़े थे कि बैल घूमता है कोल्हू में कैसे बिना चलाए?

(ग) पढ़क्कू ने बैल के मालिक को बेवकूफ़ इस कारण से कहा कि अगर तुम्हारा बैल सोच-समझ अड़ जाए था चले नहीं बस खड़ा-खड़ा गर्दन को हिलाता रहे और तुम्हें शाम तक बूँद भर भी तेल नहीं मिलेगा तुम इसी। विश्वास के कारण धोखे में रह जाओगे कि बैल चल रहा है।

(घ) मालिक ने राज़ की यह बात बताई कि उनका बैल मंतिख नहीं पड़ पाया है इसलिए वह ऐसा नहीं कर सकता है। यहाँ सभी कुछ ठीक-ठाक है, यह केवल माया है, बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।

7. (क) कामचोर (ख) घुमक्कड़ (ग) लड़ाकू (घ) व्यर्थ

8. रोज - नित्य मालिक - स्वामी बेवकूफ़ - मूर्ख संसार - दुनिया नदी - निर्झरी वायु - समीर

9. तेज़ - रोहन गाड़ी बहुत तेज़ चलाता है।
फ़िक्र - मुझे तुम्हारी बहुत फ़िक्र है।
बेवकूफ़ - उसके जैसा बेवकूफ़ और कोई नहीं।
साँझ - हम साँझ को घुमने चलेंगे।

10. गीतकार - गाना गाता है। लुहार - लोहे से बनी वस्तुएँ गढ़ता है। सुनार - गहने बनाता है।
संगीतकार - संगीत करता है। कवि - कविता लिखता है। मूर्तिकार - मूर्ति बनाता है।

11. बच्चे स्वयं करें।

12. बच्चे स्वयं करें।

12 सुनीता की पहिया कुर्सी

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) माँ ने सुनीता से कहा। (ख) सुनीता ने माँ से कहा। (ग) फ़रीदा ने सुनीता से कहा।
(घ) अमित ने सुनीता से कहा। (ङ) सुनीता ने अमित दुकानदार से कहा।

3. (क) (ii) सात (ख) (i) बिस्तर पर (ग) (iii) बाज़ार में (घ) (i) पहिया कुर्सी (ङ) (iii) अलमारी में

4. (क) फुर्ती (ख) पहिया कुर्सी (ग) टुकर-टुकर (घ) अच्छा (ङ) सुनीता

5. (क) फुर्ती से (ख) 8 बजे (ग) एक किलो चीनी (घ) अमित का (ङ) खेल के मैदान में

6. (क) सुनीता के लिए कपड़े बदलना, जूते पहनना आदि काम कठिन काम हैं।

(ख) सुनीता सुबह उठकर सोच रही थी कि आज उसे क्या-क्या काम करने हैं। उसे याद आया कि आज तो बाज़ार जाना है।

(ग) बच्चे छोटू को चिढ़ा रहे थे क्योंकि उस लड़के का कद बाकी बच्चों से बहुत छोटा था।

(घ) अमित ने सुनीता की पहिया कुर्सी को टेढ़ा करके उसके अलगे पहियों को पहली सीढ़ी पर रखा। फिर उसने पिछले पहियों को पहली सीढ़ी पर रखा। फिर उसने पिछले पहियों को भी ऊपर चढ़ाया तकि वह दुकान में जा सके। इस प्रकार से उसने सुनीता की मदद करी।

(ङ) बच्चों को रस्सी कूदते, गेंद खेलते देखकर सुनीता उदास इसलिए हो गई क्योंकि वह भी उनके साथ खेलना चाहती थी परंतु खेल नहीं सकती थी।

7. (क) सम्मान, सामान (ख) साँस, सास (ग) अचार, आचार (घ) परवाह, प्रवाह

8. कुर्सी - कुर्सियाँ बोतल - बोतले सीढ़ी - सीढ़ियाँ आँख - आँखें
थैली - थैलियाँ मेज़ - मेज़ें पर्ची - पर्चियाँ दुकान - दुकानें
छुट्टी - छुट्टियाँ गेंद - गेंदे रस्सी - रस्सियाँ साँस - साँसे

9. (क) गट-गट (ख) सन-सन (ग) टुन-टुन (घ) छप-छप (ङ) कल-कल
(च) टप-टप (छ) गुन-गुन

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

13 हुदहुद

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (v) (ङ) (ii)

3. (क) (ii) सुलेमान (ख) (i) गर्म (ग) (i) उड़नखटोले (घ) (iii) गिद्ध (ङ) (ii) कलगी

4. (क) पंख (ख) चतुर (ग) इच्छा (घ) भारत (ङ) पालतू

5. (क) हुदहुदों के मुखिया से (ख) सुंदर पंखी जैसी (ग) रंग-बिरंगा और चटकीला
(घ) नाखून काटने वाली नहरनी से (ङ) सुंदरता

6. (क) गिद्धों ने बादशाह के सामने बहाना किया, "हम तो इतने छोटे-छोटे हैं। हमारी गर्दन पर पंख भी नहीं हैं। हम छाया कैसे कर सकते हैं!"
(ख) सभी हुदहुद को इकट्ठा करके बादशाह सुलेमान के ऊपर छाया कर दी।
(ग) हुदहुद के मुखिया ने वरदान माँगा कि हमारे सिर पर आज से सोने की कलगी निकल आए।"
(घ) लोग तीर से उन्हें मार-मारकर सोना इकट्ठा करने लगे।
(ङ) हुदहुद की चोंच पतली, लंबी तथा तीखी होती है। इस चोंच से यह आसानी से ज़मीन के भीतर छिपे हुए कीड़े मकोड़ों को ढूँढ़ निकालता है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से बहुत मिलती है।

7. (क) हजामिन (ख) पदुबया (ग) शाह सुलेमान (घ) हुप ऊ

8. वंश चाँद लंबी माँग अंत बाँध सुंदर आँख मुँह पहुँच
अंग रंग पंखा साँप छाँव

9. (क) फल - परिणाम
एक दिन हर मनुष्य को उसके अच्छे और बुरे कर्मों का फल मिलता है।
फल - पेड़ो से प्राप्त होनेवाला फल
जब भी संभव हो खूब सारे फल और सब्जियाँ खाए।
(ख) पर - परंतु
मैं आ सकता था पर मुझे कहीं ओर जाना पड़ा।
पर - पंख
सभी चिड़ियों के पर होते है।

(ग) सोना - कीमती धातु
सोना या स्वर्ण अत्यंत चमकदार मूल्यवान धातु है।
सोना - नींद लेना।
जल्दी सोना और जल्दी उठना इंसान को स्वस्थ, समृद्ध और बुद्धिमान बनाता है।
(घ) वर - दुल्हा
वर बड़ा ही खुश है।
वर - आशीर्वाद
माँ ने बेटे को अच्छी नौकरी पाने का वर दिया।

10. कबूतर चिड़ियाँ शुतुरमुर्ग
उल्लू तोता कौआ

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

14 मुफ़्त ही मुफ़्त

1. (क) × (ख) × (ग) × (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) (ii) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iv)
3. (क) (ii) बरगद (ख) (i) ज़मीन पर (ग) (i) दो रुपए (घ) (ii) नाववाला (ङ) (i) नारियल के
4. (क) समस्या (ख) बाज़ार (ग) पैसे (घ) रूमाल (ङ) नारियल
5. (क) भीखूभाई का (ख) बंदरगाह (ग) व्यापारियों की
(घ) पत्ते खाने की (ङ) दौ सौ रुपए
6. (क) भीखूभाई का मन नारियल खाने का था लेकिन एक छोटी-सी समस्या थी, घर में तो एक भी नारियल नहीं था।
(ख) सस्ता नारियल खरीदने के लिए भीखूभाई बाज़ार, मंडी, बंदरगाह, नारियल के बगीचे में गए।
(ग) भीखूभाई को मुफ़्त का नारियल नारियल के बगीचे से मिला।
(घ) क्योंकि उन्होंने कहा की वह उनका काम नहीं।
7. (क) 5 (ख) 2 (ग) 3 (घ) 1 (ङ) 6 (च) 4
8. (क) **कंजूस** भीखूभाई (ख) **भरा** बरबद (ग) **मधुर**/तीखी आवाज़
(घ) **ऊँचा** नारियल (ङ) **सफ़ेद** रूमाल (च) **हरा** घास
(छ) **तेज** दिमाग (ज) **बहुत** पैसे
9. (क) नारियल व्यापारी समस्या आवाज़ कंजूस पच्चीस
शक्कर आखिर किस्मत सच्चाई
(ख) (i) मिठाइयाँ देखकर मेरा जी ललचा गया। (ii) लौटरी लगने से मेरी किस्मत खुल गई।
(iii) परीक्षा पास होने के कारण रोहन खुशी से फूला न समाया। (iv) बुढ़ी औरत की मदद करने पर उसने दुहाई दी।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. (i) **कमल** (ii) **बाघ** (iii) **मोर** (iv) **गंगा**
12. (क) विद्यार्थी स्वयं करें।
(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।